प्रिलिम्स फैक्ट्स: 03 अगस्त, 2021

drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-03-august-2021

मेंढक की नई प्रजाति: मिनरवेरिया पेंटाली

मेंढक की नई प्रजाति: मिनरवेरिया पेंटाली

New Frog Species: Minervarya Pentali

हाल ही में **पश्चिमी घाट** में मेंढक की एक नई प्रजाति की खोज की गई और इसका नाम डीयू के पूर्व कुलपति और पादप आनुवंशिकीविद् 'दीपक पेंटल' के नाम पर रखा गया।

प्रमुख बिंदु

- मिनरवेरिया पेंटाली (Minervarya Pentali) नाम की नई मेंढक प्रजाति 'डिक्रोग्लोसिडे' (Dicroglossidae) परिवार से संबंधित है।
    - 'डिक्रोग्लोसिडे' परिवार में अफ्रीका और एशिया के उष्णकटिबंधीय व उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों तथा पापुआ न्यू गिनी द्वारा वितरित अर्द्धजलीय मेंढकों की 202 प्रजातियाँ शामिल हैं।
    - परिवार में बड़े आकार (जैसे-जीनस होपलोबैट्राचस) और बौनी प्रजातियाँ (जैसे-जीनस ननोफ्रीज़) शामिल हैं, जिनकी कुल लंबाई लगभग 30 मिमी. है।
- यह पश्चिमी घाट जैव विविधता हॉटस्पॉट से खोजा गया था, जो भारतीय प्रायद्वीप के दक्षिण-पश्चिमी तट तक फैला हुआ है।
- यह नई प्रजाति दक्षिणी-पश्चिमी घाट के लिये स्थानिक है।
- यह प्रजाति सबसे छोटे ज्ञात 'मिनरवेरिया' (जीनस) मेंढकों में से एक है।

पश्चिमी घाट:

- ये भारत के पश्चिमी तट के समानांतर चलने वाली पर्वत शृंखलाएँ हैं जो गुजरात से शुरू होकर तमिलनाडु में समाप्त होती हैं।
- गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल छह भारतीय राज्य हैं जो पश्चिमी घाट से आच्छादित हैं।
- पर्वत शृंखला जैव विविधता का "हॉटेस्ट हॉटस्पॉट" भी है।
- पश्चिमी घाट को अक्सर 'भारत का ग्रेट एस्कार्पमेंट' कहा जाता है और यह **यूनेस्को** का **विश्व धरोहर स्थल** भी है।
- **सदाबहार वनों** की उपस्थिति के साथ-साथ उच्च जैव विविधता और स्थानिकता पश्चिमी घाट की विशेषताएँ हैं।